Rs. 50/-

पोल्ट्री मंच

25 त्यागराज नगर मार्केट, नई दिल्ली–110003, भारत दूरभाषः +91-7838602297
E-mail: poultrymanch@gmail.com website: www.poultrymanch.com

नवंबर 2025 | वर्ष 11 | अंक 11 | 52 पेज कवर सहित

VENTRI BIOLOGICALS
(Vaccine Division of VHPL)
'Venkateshwara House', S. No. 114/A/2, Pune Sinhagad Road, Pune 411030. **Tel.:** +91 (020) 24251803, **Fax:** +91-20-24251060 / 24251077.

भारतीय सीएलएफएमए प्रतिनिधिमंडल

ने गहन ज्ञान आदान-प्रदान के माध्यम से अमेरिका-भारत कृषि एवं पशुधन सहयोग को मजबूत किया

- भारतीय सीएलएफएमए प्रतिनिधिमंडल ने ज्वार, मक्का और डेयरी कृषि पद्धतियों का अध्ययन करने और शीर्ष कृषि हितधारकों के साथ बातचीत करने के लिए संयुक्त राज्य अमेरिका का दौरा किया।
- बैठकों में लाइव कृषि प्रदर्शन, उद्योग जगत के साथ बातचीत और आयोवा के राज्यपाल एवं कृषि सचिव सहित वरिष्ठ अमेरिकी अधिकारियों के साथ चर्चाएँ शामिल थीं।
- यह यात्रा सीएलएफएमए, आयोवा राज्य और महाराष्ट्र के बीच चल रहे समझौता ज्ञापनों को सुदृढ़ करती है, जिससे ज्ञान आदान–प्रदान और द्विपक्षीय सहयोग को बढ़ावा मिलता है।

भारतीय कंपाउंड लाइवस्टॉक फीड मैन्युफैक्चरर्स एसोसिएशन (सीएलएफएमए) ने संयुक्त राज्य अमेरिका की एक सप्ताह लंबी प्रतिनिधिमंडल यात्रा सफलतापूर्वक संपन्न की, जो कृषि और पशुधन आहार में अंतर्राष्ट्रीय सहयोग को आगे बढ़ाने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है। अमेरिकी अनाज परिषद द्वारा आमंत्रित, **अध्यक्ष श्री दिव्य कुमार गुलाटी** के नेतृत्व में प्रतिनिधिमंडल ने ज्वार, मक्का और डेयरी उत्पादन में सर्वोत्तम पद्धतियों का पता लगाने के लिए नीति निर्माताओं, उद्योग जगत के नेताओं और किसानों के साथ बातचीत की।

यह यात्रा **सैन एंटोनियो, टेक्सास** से शुरू हुई, जहाँ प्रतिनिधिमंडल ने **यूनाइटेड सोरघम चेक ऑफ प्रोग्राम, कैनसस स्टेट यूनिवर्सिटी, क्लेम्सन यूनिवर्सिटी और यूएस ग्रेन्स काउंसिल** के विशेषज्ञों द्वारा संचालित कई तकनीकी सत्रों में भाग लिया। चर्चाओं में वैश्विक सोरघम बाजारों, अनाज मानकों, टिकाऊ कृषि पद्धतियों और मुर्गी, सूअर और पालतू पशुओं के आहार में सोरघम की भूमिका पर चर्चा हुई। सत्रों में अमेरिकी अनाज आपूर्ति श्रृंखला की दक्षताओं और वैश्विक माँग में उभरते रुझानों पर भी प्रकाश डाला गया।

इसके बाद, प्रतिनिधिमंडल ने सोरघम की खेती और प्रसंस्करण का प्रत्यक्ष अनुभव प्राप्त करने के लिए **अमरिलो, टेक्सास** की यात्रा की। इन यात्राओं में **विल ब्रैक और कैथी ब्रोमन फार्म्स, जो रोहरबैक फार्म्स और वेगा स्थित रिचर्डसन सीड कंपनी** शामिल थीं। कार्यक्रम में **माइल्स फ्रिशे फार्म्स** का

दौरा **और टेक्सास के एटर में बंगे के साथ एक बैठक** भी शामिल थी, जिसमें रोपण, कटाई और आपूर्ति श्रृंखला संचालन पर गहन जानकारी दी गई। टेक्सास चरण का समापन अमरिलो में यूनाइटेड सोरघम चेक ऑफ प्रोग्राम द्व ारा आयोजित एक संक्षिप्त सत्र के साथ हुआ।

आयोवा में, प्रतिनिधिमंडल ने ज्वेल और **शेल रॉक स्थित** POET **बायोप्रसंस्करण** सुविधाओं के साथ–साथ वेवर्ली स्थित मार्क म्यूलर के फार्म का दौरा करके एकीकृत अनाज–से–चारा पारिस्थितिकी तंत्र का अन्वेषण किया, जहाँ टीम को किसानों द्वारा आयोजित एक भोज में आमंत्रित किया गया था। अन्य पड़ावों में गाल्ट स्थित **स्टुअर्ट स्वानसन फार्म्स, ईगल ग्रोव स्थित गोल्ड ईगल फीड मिल और रॉल्फ स्थित डचलैंड डेयरी** शामिल थे, जहाँ उन्हें इथेनॉल उत्पादन, चारा निर्माण और बड़े पैमाने पर डेयरी संचालन के बारे में जानकारी दी गई।

आयोवा कार्यक्रम का समापन रणनीतिक बैठकों के साथ हुआ, जिसमें **राज्य कैपिटल में आयोवा के राज्यपाल** के साथ एक उच्च–स्तरीय बैठक और उसके बाद **आयोवा कृषि सचिव और आयोवा कॉर्न ग्रोअर्स एसोसिएशन के सदस्यों** के साथ चर्चा शामिल थी। ये बातचीत कृषि नीति, व्यापार और प्रौद्योगिकी अपनाने पर केंद्रित थी, जिसमें पशुधन चारा और डेयरी क्षेत्रों में दीर्घकालिक सहयोग के

अवसरों पर प्रकाश डाला गया।

यह यात्रा **सीएलएफएमए और आयोवा राज्य (सितंबर 2024) के बीच हस्ताक्षरित समझौता ज्ञापन और महाराष्ट्र और आयोवा के बीच सहयोगी राज्य समझौते (अगस्त 2025)** के तहत चल रहे प्रयासों को सुदृढ़ करती है। दोनों रूपरेखाओं का उद्देश्य पशुधन चारा और व्यापक कृषि क्षेत्र में संयुक्त अनुसंधान, ज्ञान साझाकरण और टिकाऊ प्रथाओं को अपनाने में सुविधा प्रदान करना है।

इस यात्रा पर टिप्पणी करते हुए, सीएलएफएमए ऑफ इंडिया के अध्यक्ष, श्री दिव्य कुमार गुलाटी ने कहा, "इस यात्रा से उन्नत कृषि पद्धतियों, विशेष रूप से ज्वार, मक्का और डेयरी उत्पादन के क्षेत्र में अमूल्य जानकारी प्राप्त हुई। भारत का पशु आहार बाजार 2024 में लगभग 14.34 बिलियन अमेरिकी डॉलर का होगा और 2034 तक 21.02 बिलियन अमेरिकी डॉलर तक पहुँचने का अनुमान है, इसलिए टिकाऊ और कुशल आहार समाधानों की आवश्यकता सर्वोपरि है। अमेरिकी समकक्षों के साथ बातचीत ने चारे की कमी और उत्पादकता में अंतर जैसी चुनौतियों का समाधान करने में ज्ञान के आदान–प्रदान के महत्व को उजागर किया है। सिद्ध पद्धतियों को अपनाकर और अंतर्राष्ट्रीय सहयोग को बढ़ावा देकर, हमारा लक्ष्य भारत के पशुधन क्षेत्र की स्थिरता और प्रतिस्पर्धात्मकता को बढ़ाना है।"

सीएलएफएमए प्रतिनिधिमंडल में शामिल थे:

- **श्री दिव्य कुमार गुलाटी, अध्यक्ष**
- **श्री अभय शाह, उपाध्यक्ष**
- **श्री अभय पारनेकर, उपाध्यक्ष**
- **श्री निसार एफ मोहम्मद, मानद सचिव**
- **श्री आर रामकुट्टी, कोषाध्यक्ष**
- **श्री समीर चोटाई, अध्यक्ष– पूर्वी क्षेत्र**
- **श्री सुमीत सुरेखा, उपाध्यक्ष**
- **श्री सुरेश देवड़ा, पूर्व अध्यक्ष**
- **श्री नवीन पशुपार्थी, उपाध्यक्ष**

अमेरिकी किसानों, उद्योग प्रतिनिधियों और नीति निर्माताओं के साथ सीधे संवाद के माध्यम से, सीएलएफएमए प्रतिनिधिमंडल ने स्थायी कृषि पद्धतियों, पशुधन चारा नवाचार और अंतर्राष्ट्रीय सहयोग के प्रति भारत की प्रतिबद्धता को सुदृढ़ किया।